Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 29–2025] CHANDIGARH, TUESDAY, JULY 22, 2025 (ASADHA 31, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 15 जुलाई, 2025

संख्या 12/250–2024/पुरा/3126–33.– हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250– 2024/पुरा/1438–1444, दिनांक 13 मार्च, 2025 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
श्यामसर तालाब, चरखी दादरी	श्यामसर तालाब, चरखी दादरी	चरखी दादरी	चरखी दादरी	नगरपालिका समिति, चरखी दादरी	14810 वर्ग गज	नगरपालिका समिति	श्यामसर तालाब का निर्माण 17वीं शताब्दी में सीताराम सेठ ने करवाया था। वह शुरू में दादरी से आए थे और बाद में लाल किले के निर्माण के दौरान दिल्ली चले गए। किसी समय सीताराम सेठ को मुगल बादशाह के कोषाध्यक्ष के सहायक के रूप में नियुक्त किया गया था। यह तालाब लगभग 40 फीट गहरा है और इसका निर्माण कलियाना की पहाड़ी के नीले और भूरे पत्थरों का उपयोग करके किया गया था। यहां चार घाट हैं:

							गऊ घाट, खाटू श्याम घाट, सीताराम घाट और एक झरना घाट, तथापि, उनमें से अधिकांश अब लगभग नष्ट हो चुके हैं। प्रत्येक घाट में तालाब तक पहुंचने के लिए 101 सीढ़ियाँ हैं, जिसमें गौ घाट पर गायों के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र भी शामिल है। प्रत्येक घाट के पास मुगल वास्तुकला के अनुसार छत्री संरचनाएँ बनाई गईं थी। शुरूआत में श्यामसर तालाब के आसपास 8 कुएं और मंदिर थे, लेकिन आज केवल 2 मंदिर और 1 कुआं ही क्रियाशील हैं। ऐसा माना जाता है कि श्यामसर तालाब में पानी प्राकृतिक जल स्रोत के माध्यम से कलियाना और कपूरी पहाड़ियों से आता था।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 15th July, 2025

No. 12/250-2024/pura/3126-33.— In exercise of the powers conferred under sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964) and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-2024/pura/1438-1444, dated the 13th March, 2025, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below to be a protected archaeological sites and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Shyamsar Talab, Charkhi Dadri	Shyamsar Talab, Charkhi Dadri	Charkhi Dadri	Charkhi Dadri	Municipal Committee, Charkhi Dadri	14810 sq. yrds	Municipal Committee	Sitaram Seth built Shyamsar Talab during the 17th Century CE. He initially came from Dadri and later moved to Delhi during the construction of the Red Fort. Sitaram Seth was appointed as the treasurer's assistant to the Mughal emperor at some point. The pond is around 40 feet deep and was

							constructed using blue and brown stones from the hill of Kaliyana. There are four ghats: Gau ghat, Khatu Shyam ghat, Sitaram ghat and a waterfall ghat, though most of them are almost destroyed now. Each ghat has 101 steps to access the pond, including a designated area for cows at the Gau Ghat. Chatri structures were built according to Mughal architecture near each ghat. There were initially 8 wells and temples surrounding the Shyamsar pond, but only 2 temples and 1 well remain functional today. It is believed that the water in the Shyamsar pond came from Kaliyana and Kapuri hills via natural water source.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11945—C.S.—H.G.P., Pkl.